अब गोरखपुर में भी बनेगा आईटी पार्क

यूपीएलसी-एसटीपीआई के बीच हुआ एमओयू

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ

अब गोरखपुर में भी आईटी पार्क खुलेगा। इस पार्क के खुलने से गोरखपुर में भी ग्रामीण बीपीओ, स्टार्ट-अप शुरू हो सकेंगे। प्रॉजेक्ट शुरू होने से करीब 15000 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। इस आईटी पार्क के लिए गुरुवार को यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) और भारत सरकार के उपक्रम सॉफ्टवेयर टेक्नॉलजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के बीच एमओयू हुआ।

विधानभवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री मनोज कुमार पांडेय के कक्ष में हुए इस करार के बाद पूर्वांचल में भी आईटी क्षेत्र में रोजगार पैदा होने की उम्मीद जगी है। एमओयू के बाद मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि यूपी की आईटी पॉलिसी से युवाओं को काफी फायदा हो रहा है। इसमें 20 फीसदी हिस्सा केवल स्टार्ट-अप को दिया गया है।

एसटीपीआई द्वारा आईटी पार्क में स्थान देते वक्त भी यूपी के मूल निवासियों को 25 फीसदी आरक्षण भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में इसके लिए 14500 वर्ग मीटर (3.58 एकड़) जमीन पर आईटी पार्क डिवेलप किया जा रहा है। जिसका आवंटन गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) से कराया गया है।

गुड न्यूज

18 महीने में होगा तैयार, ₹ 15 करोड़ लागत

पार्क का डिवेलपमेंट करीब तीन महीने में शुरू करके उसे 18 महीने में पूरा करवाने का दावा है। इस पार्क पर करीब 15 करोड़ रुपये की लागत आएगी। एसटीपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और आईटी उद्योग के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर भी चिह्नित करेगा। यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स के एमडी अजयदीप सिंह ने बताया कि इस वक्त मेरठ, आगरा, कानपुर और गोरखपुर में आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। एसटीपीआई के निदेशक रजनीश अग्रवाल ने बताया कि आईटी पार्क बनने से इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, बैकिंग, कॉल सेंटर्स जैसे क्षेत्रों में फायदा होगा।